(b) to (e) In the first instance, assiatance from the National Renewal Fund has been provided for implementation of Voluntary Retirement Scheme of Central Public Sector Ondertakings including those in Gujarat in 1992-93 and 1993-94. A provision has also been made in the supplementary grant of 1993-94 for worker compensation schemes in the event of closure/ rehabilitation and for VRS in the State Public Sector Undertakings. Proposals for assistance from the National Renewal Fund have been received from the State of Gujarat and other States. Granting assistance from NRF to State povemments or industrial units will be taken up only after finalisatioin of the modalities.

Constitution of new Khadi Gramodyog Commission

532. DR. BAPU KALDATE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the term of Khadi Gramodyog Commission expired in March, 1993;

(b) whether it is also a fact that new Commission has yet not been constituted;

(c) whether it is also a fact that because of the non-establishment of the Commission its Standing Finance Committee is not functioning;

(d) if so, what are the reasons for delay in setting up the Khadi Gramodyog Commission; and

(e) the manner in which rebate to voluntary organisations is paid due to non-functioning of the Standing Finance Committee?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF SMALL SCALE INDUSTRIES AND AGRO AND RURAL INDUSTRIES) (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) to (e) The term of the Commission has expired on 8.5.1993 and steps are on to reconstitute it. In the absence of this, the S.F.C. is not functioning. This however, is in no way affecting the working of the institutions/organisations as Government has released the funds to KVIC for further disbursement to various institutions/voluntary organisations. Steps are being taken to constitute the commission.

मारूति कारों का निर्माण और निर्यात

533. **श्रीमती सत्या बहिन:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों में कुल कितनी मारूति कारों का निर्माण और कितनी कारों का निर्यात किया गया;

(ख) क्या यह सच है कि विश्व बाजार में मारूति कारों का सबसे बड़ा खरीददार हंगरी है; और

(ग) किन-किन देशों से कुल कितने निर्यात आर्डर प्राप्त हो चुके हैं और उन्हे कब तक कारों की सुपुर्दगी दे दिये जाने की संभावना है?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) पिछले दो वर्षों का वर्षवार उत्पादन व निर्यात नीचे दर्शाया गया है—

वर्ष	उत्पादन	निर्यात
1991-92	1,21,167	22,921
1992-93	1,28,138	14,566

(ख) जी नहीं। यूरोप में मारूति वाहनों का सबसे बड़े खरीददार इटली है।

(ग) मारूति उद्योग लिमिटेड को वर्ष 1993-94 में अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, भूटान, मध्य अफ्रीका, केरिबियन द्वीपों, जिबाउटी, मेडगास्कर, मालदीव, मारीशस, मोरक्को, नेपाल, नाइजीरिया, पेरू, पपुआन्यूगिनी, पनामा, पेरूग्वे, पाकिस्तान, श्रीलंका, सूडान, तंज़ानिया, थाइलैंड, तुर्की, युगांडा, पश्चिम अफ्रीका, उरूग्वे, वियतनाम, मिस्र, कीनिया, जाम्बिया, बल्गारिया, क्रोशिया, फ्रांस, ग्रीस, जिब्राल्टर, हंगरी, इटली, जापान, माल्टा, नीदरलैंड्स, पुर्तगाल, पोलैण्ड, रूस, स्पेन और स्लोवानिया से क्रयादेश प्राप्त हुए हैं। 14,186 वाहनों का निर्यात पहले ही किया जा चुका है तथा 2,050 वाहनों के आदेश निष्पादनाधीन हैं।

मारूति उद्योग परिसर में संजय गांधी की प्रतिमा की स्थापना

534. **श्रीमती सत्या बहिन:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार गुड़गांव में मारूति कार उद्योग परिसर में इस छोटी कार परियोजना के जनक स्वर्गीय श्री संजय गांधी की प्रतिमा की स्थापना करने पर विचार कर रही है; और